

भाग -2

7.	परियोजना का विवरण	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि० द्वारा फतेहपुर जनपद के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 (कानपुर-प्रयागराज मार्ग)(Old NH-2) के किमी. स्टोन संख्या 538 (चैनेज-537.955) दांयी पटरी ग्राम-बरौरा, तहसील-बिन्दकी, जनपद-फतेहपुर की गाटा संख्या 1880 में प्रस्तावित रिटेल आउटलेट के सम्पर्क मार्ग के निर्माण में प्रभावित 0.1106 हे० संरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग की अनुमति के सम्बन्ध में।
(I)	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	उत्तर प्रदेश
(II)	जिला	फतेहपुर
(III)	वन प्रभाग	समाजिक वानिकी वन एवं वन्यजीव प्रभाग, फतेहपुर
(IV)	वनोत्तर प्रयोग के लिये प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र (हे० में)	0.1106 हे०
(V)	वन कानून की स्थिति	संरक्षित
(VI)	हरियाली घनत्व	0.3
(VII)	प्रजातिवार(वैज्ञानिक नाम) और परिधि क्षेत्रीय वृक्षों की प्रतिगणना (संलग्न की जाय। सिचाई/जलीय परियोजनाओं के सम्बन्ध में एफ०आर०एल०आर०एल०-2 मी० पर परिगणना और एफ०आर०एल० 4 मी० भी संलग्न किये जाएं)	कोई भी वृक्ष प्रभावित नहीं है।
(VIII)	भूक्षरण के लिये वन क्षेत्र की संवेदनशीलता पर संक्षिप्त टिप्पणी	अत्यन्त छोटा एवं पटरी के रूप में क्षेत्र होने के कारण भू-क्षरण के प्रति संवेदनशील नहीं है।
(IX)	वनोत्तर प्रयोग के लिये प्रस्तावित स्थल की वन की सीमा से अनुमानित दूरी पर	संरक्षित वन क्षेत्र में (0 किमी०)
(X)	क्या फार्म राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण, जैवमंडल रिजर्व, बाघ रिजर्व, हाथ कारीडोर आदि का भाग है (यदि हाँ क्षेत्र का ब्यौरा और प्रमुख वन्य जीव वार्डन की टिप्पणियां अनुबधित की जाय)	नहीं
(XI)	क्या क्षेत्र में वनस्पति और प्राणि जात की दुर्लभ/संकटापन्न/ विशिष्ट प्रजातियां पाई जाती है यदि हाँ तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा दें।	नहीं
(XII)	क्या कोई सुरक्षित पुरातत्वीय/पारम्परिक स्थल/रक्षा प्रतिष्ठान और कोई अन्य महत्वपूर्ण स्मारक क्षेत्र में स्थित है। यदि हाँ तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ, यदि अपेक्षित हो, दें।	नहीं
8	एजेन्सी द्वारा भाग-1 कालम-2 में प्रस्तावित वन भूमि की आवश्यकता परियोजना के लिये अपरिहार्य और न्यूनतम है, यदि नहीं, तो जांचे गये विकल्पों के ब्यौरों के साथ मदवार संस्तुत क्षेत्र क्या है।	प्रस्तावित संरक्षित वन भूमि अपरिहार्य न्यूनतम है।
9	क्या अधिनियम के उल्लंघन में कोई कार्य किया गया है(हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो कार्य की अवधि, दोषी अधिकारियों पर की गयी कार्यवाही सहित कार्य का ब्यौरा दें क्या उल्लंघन सम्बन्धी अभी भी चल रहे हैं।	नहीं

10	प्रतिपूरक वनीकरण स्कीम का व्यौरा	
I	प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित वनेत्तर क्षेत्र/अवक्रमित वन क्षेत्र, आस-पास के वन से इसकी दूरी-खण्डों की संख्या, प्रत्येक भू-खण्ड का आकार	संलग्न है
II	प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित वनेत्तर क्षेत्र/अवक्रमिक वन क्षेत्र, आस-पास की वन सीमाओं को दर्शाता मैप	संलग्न है
III	रोपित की जाने वाली प्रजातियों सहित वनीकरण स्कीम के विवरण कार्यान्वयन एजेन्सी, समय, अनुसूची, लागत, ढाचा आदि	संलग्न है
IV	प्रतिपूरक वनीकरण स्कीम के लिये कुल वित्तीय परिय्य	प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
V	प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित क्षेत्र की उपयुक्तता के बारे में और प्रबन्धीय दृष्टिकोण से सक्षम प्राधिकरण से प्रमाण पत्र (सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाय)	संलग्न है
11	जिला वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट विशेषतः उपर्युक्त कालम-7(XI)(XII), 8 और 9 में पूछे गये तथ्यों को दर्शाते हुए	संलग्न है
12	विभाग/ जिला प्रोफाइल	
I	जिले का भौगोलिक क्षेत्र	415200 हे०
II	जिले का वन क्षेत्र	7113.913 हे०
III	मामलों की संख्या सहित 1980 से वनेत्तर प्रयोग में लाया गया कुल वन क्षेत्र	58 मामले एवं 224.1828 हे०
IV	1980 में जिला/प्रभाग में निर्धारित कुल प्रतिपूरक वनीकरण	-
क	दण्ड के रूप में प्रतिपूरक वनीकरण सहित वन भूमि	303.60144 हे० 41553 पौध का रोपण
ख	वनेत्तर भूमि पर	शून्य
ट	अब तक प्रतिपूरक वनीकरण में हुई प्रगति	-
क	वन भूमि पर	127.0654 हे० एवं 39687 पौध
ख	वनेत्तर भूमि पर	शून्य
13	प्रस्ताव को स्वीकृत करने अथवा प्रस्ताव को अन्यथा लेने के सम्बन्ध में उप वन संरक्षक की विशेष	जनहित में प्रस्ताव को स्वीकृत किये जाने की संस्तुति की जाती है।

प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वन एवं वन्यजीव प्रभाग
फतेहपुर